

03/08/22

~~आप~~ आप पत्रावली पत्रावली के आखिरी पत्रों
की मूल वाद पत्रावली अद्वय लवरी। अद्वय
पत्रों में शारिफ ले चुकी है। जबकि पत्रावली
का कोई जो शिखर मही रह गया है। अतः
पत्रों की यह प्राप्ति पत्रावली में अद्वय लवरी
अद्वय पत्रों में शारिफ की वाली है। पूर्व में
पत्रों जन्तुम स्वयं आदेश निरस्त किये
जाते हैं। पत्रावली केवल शुभार होकर नंबर से
कम है। वाद स्वीय संलग्न मूल वाद रहे।
सुनाया गया।

सहायक कलक्टर
मुंबई (अलवर) राज०

